अण्डमान निकोबार द्वीप समाचार

रजि.न.34300/80 संख्या 233 श्री विजय पुरम, बुधवार, 27 अगस्त 2025 web: www. andaman.gov.in 2.00 रूपए

"धान की खेती के लिए आधुनिक कृषि तकनीकें" पर प्रशिक्षण सम्पन्न

नीम्बूडेरा, 26 अगस्त

भाकृअनुप–कृषि विज्ञान केंद्र (केवीके), नीम्बूडेरा, मध्य अण्डमान ने 21 से 23 अगस्त तक समिति हॉल, रंगत में "धान की खेती के लिए आधुनिक कृषि तकनीकें" पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया। इसका उद्देश्य द्वीपीय परिस्थितियों में धान की उत्पादकता बढ़ाने के लिए स्थानीय किसानों को उन्नत ज्ञान और व्यावहारिक कौशल से सशक्त बनाना था। कार्यक्रम का उछ्घाटन मुख्य अतिथि श्री बालामुरुगन, पर्णशाला पंचायत के प्रधान की उपस्थिति में हुआ। अपने उद्घाटन भाषण में, उन्होंने उपज और लाभप्रदता बढ़ाने के लिए वैज्ञानिक और टिकाऊ कृषि पद्धतियों को अपनाने के महत्व पर बल दिया।

शेष पृष्ठ 4 पर

"धान की खेती के लिए आधुनिक कृषि तकनीकें" पर———पृष्ठ 1 का शेष

वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख, केवीके, नीम्बूडेरा, डॉ. वी. दामोदरन ने द्वीपीय परिस्थितियों में खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने और आजीविका को बनाए रखने में धान की खेती की महत्वपूर्ण भूमिका पर बल दिया। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि आधुनिक वैज्ञानिक पद्धतियाँ किसानों को सीमित संसाधनों और अप्रत्याशित जलवायु जैसी चुनौतियों से उबरने में मदद कर सकती हैं, जिससे उत्पादकता और स्थिरता में सुधार होगा। सहायक कृषि निदेशक श्रीमती शर्ली थॉमस ने प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना (पीएमएफबीवाई) के विशेष संदर्भ में किसानों के लिए विभिन्न सरकारी योजनाओं के बारे में चर्चा की और फसल नुक़सान के खिलाफ वित्तीय सुरक्षा प्रदान करने में इसकी भूमिका के बारे में बताया। श्री राकेश डावर, विषय विशेषज्ञ (सस्य विज्ञान) ने धान की खेती के लिए अनुशंसित प्रथाओं के पैकेज पर एक विस्तृत सत्र दिया, जो विशेष रूप से द्वीपीय कृषि परिस्थितियों के अनुरूप था। उन्होंने बेहतर फसल स्थापना के लिए बीज चयन, नर्सरी तैयार करने और रोपाई तकनीकों के बेहतर तरीकों के बारे में बताया। किसानों को जैविक खाद के वैज्ञानिक उपयोग के बारे में भी मार्गदर्शन दिया गया, जिसमें एकीकृत पोषक तत्व प्रबंधन पर विशेष ज़ोर दिया गया।